''स्पंदन''

समाचार - पत्रिका

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था, चाचियावास (अजमेर) का त्रैमासिक समाचार पत्र
(सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1958 के अन्तर्गत पंजीकृत संस्था पंजीयन सं. 19/ए.जे.एम./87-88)

केवल निजी वितरण हेतु | संयुक्त अंक (39-40) वर्ष (10) | मार्च 2018 से अगस्त 2018

संस्था परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाओं के साथ स्पन्दन का यह अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। हमें खुशी है कि पिछले अंक को आपने बहुत पसन्द किया। हमने प्रयास किया था कि "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम" 2016 की मुख्य बातें और विकलांगता के 21 प्रकारों की संक्षिप्त व सहज जानकारी आप लोगों को उपलब्ध कराई जा सके।

हमारे विभिन्न हितभागियों से हमें फीड बैक मिला कि स्पन्दन में दी गई जानकारी दिव्यांगो को उनके विकास एवं कल्याण के लिए संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों से जोड़कर लाभ दिलाने में बहुत अधिक उपयोगी होगी।

हमारा अनुभव रहा है कि दिव्यांगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए तो अभिभावक, समुदाय एवं जनप्रतिनिधि भी रूची लेते रहते है लेकिन जब दिव्यांग बच्चों की शिक्षा की बात आती है तो रूचि थोड़ी कम देखी जाती है। इसका कारण व्यवथाओं एवं संसाधनों की कमी तो है लेकिन कहीं ना कहीं जागरूकता का अभाव भी है। आम तौर पर ये सोचा जाता है कि दिव्यांग बच्चों के लिए तो अलग शिक्षण व्यवस्था होनी चाहिए जो हर स्थान पर उपलब्ध नहीं हो पाती और दिव्यांग बच्चे शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित रह जाते है।

लेकिन सच्चाई ये है कि किसी भी स्कूल में दिव्यांग बच्चों को जोड़कर समावेशित शिक्षा उपलब्ध कराई जाए तो दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा में लाने के उद्देश्य की तरफ सरलता से कदम बढ़ाया जा सकता है। "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016, "निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 एवं "सुगम्य भारत अभियान" के माध्यम से सरकार ने दिव्यांगों के लिए संसाधनों को विकसित करते हुए व्यवस्था में परिवर्तन करने की शुरूआत की है।

अतः स्पन्दन के इस अंक के माध्यम से हम आपके लिए समावेशित शिक्षा के बारे में संक्षिप्त जानकारी लेकर आए है ताकि दिव्यांग बच्चों को समावेशित शिक्षा से जोड़कर सरकार के प्रयासों को उपयोगी और सार्थक बनाने में योगदान दिया जा सके।

मुख्य सम्पादक

लिखते रहिए — आपके सुझावों एवं फीड बैक का हमेशा इंतजार रहता है, अतः कृपया लिखते रहिए

सम्पादक मण्डल
मुख्य सम्पादक : राकेश कुमार कौशिक
: सम्पादन समिति :
क्षमा आर. कौशिक, तरूण शर्मा, नानूलाल प्रजापति, लक्ष्मण सिंह चौहान, ईश्वर शर्मा

समावेशित शिक्षा

आधार:

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 3 में कहा गया है कि-

धारा 3 (1) छह से चौदह साल के सभी बच्चों को आस-पास के ही स्कूल में प्रारम्भिक शिक्षा (कक्षा 1 से 8 तक की) मिलेगी।

(2) उपधारा (1) के लिए स्कूल में, स्कूल तक जाने या वर्ष के दौरान बच्चों को इसके लिए कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। यानि छः से चौदह वर्ष के बच्चों को प्रारम्भिक शिक्षा मिले इसके लिए एक भी पैसा खर्च नही करना पड़ेगा। परन्तु निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 की धारा 2 के खण्ड (1) में परिभाषित निःशक्तता से ग्रस्त या पीड़ित किसी बालक या बालिका को उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के उपबधों के अनुसरण या आधार पर निःशुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार होगा।

धारा 3 की उपधारा 2 में स्पष्टतः कहा गया है कि निःशक्त बालकों को भी गुणवत्तापूर्ण प्रारम्भिक शिक्षा पाने का संवैधानिक अधिकार है। यहां यह ध्यान में रखा जाना आवश्यक हैं कि भारत सरकार के सार्वजनिकरण शिक्षा के प्रस्पिेक्ष्य में विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं की शिक्षा की आवश्यकता को अनुभव करते हुए भारत पुनर्वास परिषद् अधिनियम 1992 पारित कर भारतीय पुनर्वास परिषद् की स्थापना की। इस अधिनियम से निःशक्त बालकों को परिभाषित किया। जिससे समावेशित शिक्षा की आवश्यकता महसूस हुई।

वर्ष 1995 में भारत सरकार ने विशेष आवश्यकता वालों की शिक्षा के लिए अधिनियम (पी.डब्ल्यू. डी. 1995) पारित किया जिसमें विशेष आवश्यकता वाले को समान अवसर पूर्ण भागीदारी तथा उनके अधिकारों के संरक्षण को प्राथमिकता दी गई। इसके आधार पर विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं को पुनर्वासित करने के लिए महत्त्वपूर्ण तथा उपर्युक्त वातावरण निर्माण करने की अवधारणा प्रतिपादित की।

इस अधिनियम के पांचवे अध्याय में विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं की शिक्षा के लिए दिशा निर्देश दिए गए जिसके द्वारा तीन वर्ष से ऊपर तक के प्रत्येक विशेष आवश्यकता वालो को सामान्य बालक-बालिका के साथ शिक्षण की मुख्य धारा में जोड़ने की आवश्यकता बताई गई।

इसके द्वारा राज्यों को उचित व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया ताकि वे विशेष आवश्यकता वाले बालक बालिकाओं के लिए विशेष विद्यालय, समावेशित शिक्षण -व्यवस्था, खुला -विद्यालय तथा गृह आधारित शिक्षा आदि की व्यवस्थाऐ जुटा सके।

शिक्षा के लिए जिम्मेदार अधिकारी को प्रत्येक बालक -बालिकाओं का मूल्यांकन कर उसकी विशेष आवश्यकता के स्वरूप तथा स्तर का आंकलन करना है तथा उसकी आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उसे शिक्षा के लिए उचित वातावरण और व्यवस्था देनी है।

शिक्षा का सार्वजनीकरण एवं समावेशित शिक्षा

शिक्षा के सार्वजनीकरण का तात्पर्य यह है कि 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक बालक-बालिका को शिक्षा से जोड़ा जा सके। कोई भी शिक्षा से वंचित नही रह पाये इसके लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत एक बड़ा वर्ग भी ध्यान में रखने योग्य है और वह है- **विशेष** आवश्यकता वाले बालक-बालिका

ऐसे बालक-बालिकाएं हमारे समाज का एक महत्त्वपूर्ण अंग है जिन्हें अलग भी नही किया जा सकता। इन बालक-बालिकाओं को सामान्य बालक-बालिका के साथ शिक्षा दी जा सके इसके लिए शिक्षक की अनुकूल सोच बनना जरूरी है ताकि वे बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा के साथ जोड़ सके।

कक्षा कक्ष एवं विद्यालय में ऐसे बालक-बालिकाएं भी आतें है जिनकी जरूरतें भी विशेष प्रकार की होती हैं इन बालक-बालिकाओं की क्षमता में भिन्नता होती है। कुछ बालक-बालिकाएं बहुत देरी से तथा विशेष उपकरणों की सहायता से ही सीख पाते है। कुछ बालक-बालिकाएं सामान्य बालक-बालिकाओं की भांति गतिविधियों को भी नही कर पाते है।

शारीरिक अथवा मानसिक दृष्टि से अपूर्णता या असमर्थता जो किसी भी व्यक्ति को किसी रूप में सामान्य क्रियाओं में भाग लेने से रोकती है या फिर सीमित करती है विशेष आवश्यकता कहलाती है।

समावेशित शिक्षा का आशय विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को ऐसा वातावरण प्रदान करना जिसमें उनकी सीखने की प्रक्रिया में कम से कम बाधाएं रह जाएं। ये कक्षा के अन्य बालकों की भांति ही सीखा, समझकर आगे बढ़े और उनका समुचित विकास हो।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान

विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं का पर्याप्त विकास नहीं हो पाता है। साथ ही ये विकास की मुख्य धारा से नही जुड़ पाते है। विशेष आवश्कता इन बालक-बालिकाओं को अन्य बालक बालिकाओं के समूह से अलग कर देती है। सहज स्वाभाविक गतिविधियों में भाग नहीं ले पाने की स्थितियों में इन विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं में हीन भावना घर कर जाती है।

शिक्षक यह समझें कि बालक-बालिकाओं की विशेष आवश्यकता का स्वरूप क्या है? तथा किस हद तक विशेष आवश्यकता है। विशेष आवश्यकता की पहचान के आधार निम्नलिखित है-

1. दृष्टि संबंधी
2. श्रवण संबंधी
3. मानसिक विमंदित संबंधी
4. अस्थि (आंगिक) संबंधी
5. सीखने संबंधी
6. सेरेबल पाल्सी संबंधी
7. ऑटिज्म संबंधी
8. प्रफाउण्ड स्तर के मानसिक विमन्दित संबंधी

विशेष आवश्यकता की पहचान के लिए उपरोक्त आधारों पर बालक की विशेष आवश्यकता को अंकित किया जाएं। इसके लिए पिछले अंक में विकलांगता के पहचान के लिये दिये गये विवरण की मदद ली जा सकती है।

विशेष आवश्यकता जो किसी भी प्रकार की हो कितनी भी मात्रा में हो मानव व्यक्तित्व को सीधे रूप से प्रभावित करती है। विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं का विकास पर्याप्त अवसरों के अभाव में अवरूद्ध हो जाता है।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चे और कक्षा प्रक्रियाएं

सामान्य अनुभव आधारित तथ्य यह है कि कक्षा में बालक-बालिकाओं के सीखने संबंधी योग्यता का स्तर पृथक-पृथक होता है। कक्षा में कुछ ऐसे बालक भी होते है जिन्हें सिखाने के लिए विशेश अधिगम सामग्री व अध्यापकों से विशेष सहायता की आवश्यकता होती है।

मानसिक योग्यता का निम्न स्तर, विकास में विलम्ब, देखने, सुनने व बोलने में कठिनाई, मांसपेशियों को क्षति, अंग की विकृति आदि विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं में होती है।

जिस प्रकार विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं की आवश्यकताएं भिन्न-भिन्न तरह की होती है उसी प्रकार उन्हें सीखनें के लिए भी अधिगम सामग्री भिन्न-भिन्न प्रकार की होती है।

विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं में किसी एक या उससे अधिक प्रकार की विशेष आवश्यकता हो सकती है। बच्चे की विशेष आवश्यकता के कारण उसकी समस्याएं भी विविधता लिए हुए हो सकती है। इन समस्याओं के अनुरूप उसकी दिक्कतें उसकी शिक्षा में बाधक नही बने इसके लिए उसकी जरूरतें भी अलग तरह की होगी।

- सामान्य बालकों के साथ पढाने के महत्त्व को समझना।
- सहयोगात्मक विशिष्ट व्यवहारों को अपनी शिक्षण प्रक्रियाओं में ध्यान देना।
- समय पर उत्साहित करना एवं शिक्षण की अन्तःक्रिया में भागीदार होने के लिए उत्प्रेरित करना।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ काम के दौरान ध्यान रखने योग्य बातें

प्रवेश के समय प्रत्येक बालक-बालिका की निःशक्तता और अशक्तता की जांचकर प्रत्येक बालक के बारे में जानकारी प्राप्त कराई जाएगी। यदि वह विशेष आवश्यकता वाला बालक-बालिका है तो उसकी विशेष आवश्यकता किस प्रकार की है? जानकारी प्राप्त करते समय सम्बन्धित बालक को यह अहसास नही होना चाहिए कि उसकी अशक्तता को देखा जा रहा है।

प्रवेश पंजिका में विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिका के सामने सम्बन्धित विशेष आवश्यकता का उल्लेख कर दिया जाए जिसका पता सम्बन्धित छात्र को नही रहे।

शारीरिक अथवा मानसिक दृष्टि से अपूर्णता या असमर्थता जो भी व्यक्ति को किसी भी रूप में सामान्य क्रियाओं में भाग लेने से रोकती है या फिर सीमित करती है विशेष आवश्यकता कहलाती है।

- निःशक्तता किसी भी प्रकार की हो और किसी भी मात्रा में हो वह व्यक्ति को प्रभावित करती है।
- ऐसे विशेष आवश्यकता वाले बालकों में हीन भावना भरी रहती है और स्वाभिमान की कमी हो जाती है।
- इसी भावना को ध्यान में रखते हुए विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं के लिए समेकित शैक्षिक योजना की अवधारणा का विकास हुआ है।
- समावेशित शिक्षा व्यवस्था में विशेष आवश्यकता वाले बालको को सामान्य बालकों के साथ ही शिक्षण देने का प्रावधान है।
- इस व्यवस्था में समान पाठ्य पुस्तक, एक सी पाठ्य पुस्तक और वही शिक्षक होता है अन्तर केवल उनकी बैठक व्यवस्था में होगा।
- शैक्षिक उपकरणों की सुविधाजनक पहुंच की व्यवस्था, शिक्षण सामग्री का अनुकूलन और शिक्षण तकनीक में शिक्षक का विशेष सहयोग अधिक आवश्यकता वाले बालकों को प्रोत्साहन प्रदान करना हो।

साभार :- राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद, जयपुर द्वारा प्रकाशित समझ पत्र

संस्था का 43वां स्थापना दिवस एक नजर में

मीडिया कवरेज

राजस्थान

दैनिक भास्कर अजमेर गुरुवार 19 जुलाई 2018

पुष्कर | राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास का 43वां स्थापना दिवस बुधवार को पुष्कर के पुराने रंगनाथ मंदिर मे संचालित उम्मीद द केयर सेंटर में समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर, पर दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पार्षद मंजू शर्मा थी तथा सर्वेश्वर शास्त्री, रासासिंह रावत, रेणु टांक ने अतिथि के रूप मे शिरकत की। केंद्र के भंवर सिंह गौड़ व ममता शर्मा ने अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया।

दैनिक भास्कर

अजमेर, गुरुवार 19 जुलाई, 2018 | 16

राजस्थान महिला कल्याण मंडल ने मनाया स्थापना दिवस

अजमेर| महिला कल्याण मंडल संस्था चाचियावास का 43वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि अशोक मिश्रा व सचिव मुख्य कार्यकारी अधिकारी और संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने सरस्वती पूजन किया। अतिथियों को बच्चों

19 जुलाई, 2018, गुरुवार

महिला कल्याण मंडल का स्थापना दिवस मनाया

पुष्कर (अजय सिंह सिसोदिया) : राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था चाचियावास का बुधवार को 43 वां स्थापना दिवस उम्मीद डे केयर सेन्टर पुष्कर में बड़े ही हर्ष उल्लास एवं उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पार्षद मंजू शर्मा रही। विशिष्ट अथिति सर्वेश्वर शास्त्री, रासा सिंह रावत, रेणु टाक थे। कार्यक्रम में स्पेन से आए विदेशी मेहमानों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सेन्टर परिवार के भंवर सिंह गौड़ और ममता शर्मा ने सभी अथिति को माला पहना कर स्वागत किया।

81 दैनिक नवज्योति

अजमेर ■ 19 जुलाई, 2018 ■ गुरुवार

राज. महिला कल्याण मंडल का स्थापना दिवस मनाया

अजमेर। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था चाचियावास का 43 स्थापना दिवस बुधवार को मनाया गया। मुख्य अतिथि अशोक मिश्रा ने सरस्वती माता का पूजन किया। संस्था सचिव राकेश कौशिक ने बताया कि संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास आजीविका संवर्धन आदि पर लेकर कार्य कर रही है। दिव्यांग बच्चों को शिक्षण प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा रहा है। स्पेन से आए विद्यार्थियों ने बच्चों के साथ नृत्य किया। संस्था संस्थापक ... कौशिक ने बच्चों के साथ केक काटा। विशिष्ट अतिथि चम्पालाल अग्रवाल थे। इस अवसर पर भगवान

सुखियाँ : मीनू स्कूल चाचियावास : मार्च 2018 से अगस्त 2018

आठवीं कक्षा विदाई समारोह : दिनाँक 13.3.2018 विद्यालय में आठवीं कक्षा का विदाई समारोह बडें धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथि

श्री अनुराग सक्सेना व श्री महेश चौहान, श्रीमती पद्मा चौहान, श्री जितेन्द्र जैन, श्रीमती मिनाक्षी चौहान, श्रीमती प्रिति जैन, श्री ईश्वर शर्मा, छात्र करण पुजारा, छात्रा सलोनी कॅवर, आदि द्वारा किया गया। विद्यालय के 5 बच्चों को विदाई दी गई।

नवसंवत्सर झाँकी दिनाँक : दिनांक 17 मार्च 2018 को नवसंवत्सर के उपलक्ष में नगर निगम, अजमेर द्वारा मेला आयोजित किया गया। जिसमें विद्यालय के बच्चों द्वारा माँ शेरों वाली का दरबार सजाया गया। राधेश्याम ने ढोलक वादन व

यश सिंदल ने खंजरी बजायी। इस कार्यक्रम में सागर कॉलेज के विद्यार्थियों का सहयोग रहा। दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जुड़ने का अवसर मिला।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ मेराथन : दिनाँक 25 मार्च 2018 को दैनिक भास्कर, अजमेर द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढाओ मेराथन का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के 40 बच्चों व 15 स्टाफ ने भाग लिया। बच्चों को सरकार द्वारा आयोजित की जा रही गतिविधियों की जानकारी मिली यह कार्यक्रम पटेल मैदान, अजमेर में आयोजित किया गया।

भगवान महावीर जयन्ति झाँकी कार्यक्रम : दिनाँक 29 मार्च 2019 को अजमेर में भगवान महावीर जयन्ति के उपलक्ष में झाँकियों के माध्यम से शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांग बच्चों ने झांकी के माध्यम से जीयो ओर जीनें दो का संदेश दिया। इस उपलक्ष मे डॉ. दिपाली जैन, अजमेर द्वारा दिव्यांग बच्चों की सहायता हेतु 20,000 रू. का चैक भेंट किया गया।

फोर्स गाड़ी भेंट कार्यक्रम : दिनाँक 20 मार्च 2018 को ईन्नर व्हील क्लब, अजमेर द्वारा विद्यालय को फोर्स गाडी स्कूल वैन भेंट की गई। जतन

कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमेन एवं प्रबंधक निदेशक श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल ने संस्था संस्थापक सागरमल कौशिक को फोर्स वैन भेट की। इस अवसर पर श्रीमती रितिका माथूर, श्रीमती रीना अग्रवाल, श्रीमती क्षमा आर. कौशिक, श्री राकेश कुमार कौशिक आदि उपस्थित थे। यह गाड़ी मिलने से दिव्यांग बच्चों के आवागमन में सुविधा हुई। जिससे अजमेर शहर के बच्चे सुविधाजनक रूप से नियमित विद्यालय आने लगे।

भजन कार्यक्रम : दिनाँक 3 अप्रैल 2018 आदर्श संकीर्तन मण्डल के तत्वाधान में भजन कीर्तन का आयोजन दिव्यांग बच्चों के संग आदर्श नगर में किया

गया। मण्डल अध्यक्ष श्री अनिल दीक्षित व सचिव श्री देवदत्त मिश्रा द्वारा बच्चों का स्वागत किया गया। श्रीमती मंजू शर्मा ने सम्मिलित शिक्षा व संस्थागत जानकारी दी। मण्डल द्वारा उम्मीद स्कूल के लिए वाहन सुविधार्थ 25,000 रू. का आर्थिक सहयोग दिया।

विश्व टेबल टेनिस दिवस : दिनाँक 6 अप्रैल 2018 राजस्थान टेबल टेनिस

एसोशियेशन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ एवं टेन्विक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में टेबल टेनिस दिवस मनाया गया। जिसमें खिलाड़ियों द्वारा केक काटा गया। समारोह का प्रारम्भ डॉ. अतुल दुबे व श्री राकेश कुमार कौशिक द्वारा किया गया।

स्पेशल ऑलम्पिक गतिविधियां : दिनाँक 7 अप्रैल 2018 को अमेठी युनिर्वसिटी (यू.पी.) से कल्पना शर्मा द्वारा 6 बच्चों का असेसमेन्ट किया गया। जिसमें दौड़,लम्बी कूद बॉल थो आदि गतिविधियां करवायी गयी। इस असेसमेन्ट के माध्यम से बच्चों को स्पेशल खेलों के लिये तैयार करने के कार्य किया गया।

अजमेर फैशन फेस्टिवल : दिनाँक 18 मई 2018 को अजमेर फैशन फेस्टिवल का आयोजन महाराणा प्रताप स्मारक, अजमेर व पुष्कर में किया गया।

जिसमें मीनू स्कूल के 10 बच्चों ने भाग लिया इसमें संस्था की ओर से संस्था निदेशक, श्री राकेश कौशिक एवं कार्यकर्ता ईश्वर शर्मा, नादान भाटी, भंवर सिंह गौड़, भारती केवलरमानी आदि द्वारा उपस्थिति दी गई।

वार्षिक उत्सव एवं अभिभावक मिटिंग : दिनाँक 12 मई 2018 को वार्षिक उत्सव एवं अभिभावक मिटिंग का आयोजन बड़े धूम-धाम के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथि श्री महेन्द्र जी टाटा पावर

कम्पनी, श्रीमती सुमन जितेन्द्र काकड़े, मुम्बई श्रीमती क्षमा आर. कौशिक, श्री राकेश कुमार कौशिक आदि द्वारा किया गया। वार्षिक उत्सव के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

शिक्षक क्षमतावर्धन प्रशिक्षण : दिनाँक 1 जून 2018 से 12 जून 2018 तक संस्था द्वारा संचालित केन्द्रों के शिक्षको के लिए क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

आयोजन किया गया। जिसमें दक्ष प्रशिक्षक विजय शर्मा, चन्द्रशेखर शर्मा, आदि द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण व प्रयोग करना। शिक्षण कार्य योजना बनाना, कक्षा में समूह बनाना विभिन्न स्तर के बच्चों को गतिविधि आधारित शिक्षण करवाना व योजनानुसार कार्य करना, गतिविधि बैंक में नयी गतिविधि जोड़ना चरण कार्ड का प्रयोग करना आदि सिखाया गया। इस प्रशिक्षण में मीनू स्कूल, चाचियावास, उड़ान सेन्टर, रावत भाटा, संजय इन्क्लूसिवस्कूल,ब्यावर, उम्मीद डे-केयर सेन्टर पुष्कर, मीनू ई. आई. सी. पंचशील, अजमेर आदि केन्द्रों के कार्यरत शिक्षकों ने भाग लिया।

विश्वयोग दिवस : दिनाँक 21 जून 2018 को विद्यालय में योग दिवस मनाया गया। जिसमें अध्यापक श्री जयप्रकाश द्वारा योग करवाकर योग करने के फायदे बताये। योग दिवस आयोजन से बच्चों योग करने के प्रति जागरूकता आई।

विद्यालय स्थापना दिवस व प्रवेशोत्सव कार्यक्रम : दिनाँक 3 जुलाई 2018 विद्यालय का स्थापना दिवस व प्रवेशोत्सव का आयोजन धूम-धाम के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती पुष्पा गुप्ता व विशिष्ट अतिथि श्रीमती निम्बा गुप्ता, श्रीमती सविता गुप्ता, श्री विनय गुप्ता, श्रीमती आकांक्षा गुप्ता, श्री राजेन्द्र प्रसाद गोयल, श्रीमती शारदा गोयल, श्री मनीष गोयल, एम.पी.एस स्कूल आदि थे। अध्यापिका श्रीमती मंजू शर्मा ने संस्थागत जानकारी प्रदान की तथा 13 नव प्रवेशी बच्चों का स्वागत किया।

संस्था का 43 वॉ स्थापना दिवस : दिनाँक 18 जुलाई 2018 को संस्था का 43 वॉ स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि श्री चम्पा अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि श्री पूनम अग्रवाल ओंकार नगर, अजमेर,

श्री अशोक मिश्रा आदि द्वारा किया गया। संस्था संस्थापक श्री सागर मल कौशिक ने बच्चों के संग केक काटकर खुशियॉ बॉटी। अग्रवाल परिवार द्वारा बच्चों को अल्पाहार वितरित किया गया।

स्पेन विद्यार्थियों का भ्रमण : मेन्टर मार्ता की अगुवाई में 140 स्पेन के विद्यार्थियों ने मीनू स्कूल का भ्रमण कर सम्मिलित शिक्षा कार्यक्रम को समझा व बच्चों के संग ड्रामा आर्ट एण्ड क्राफ्ट नृत्य खेल आदि गतिविधियां

की। सम्मिलित शिक्षा केन्द्र का भ्रमण कर बच्चों के संग किये जा रहे शिक्षण-प्रशिक्षण व वॉकेशनल ट्रेनिंग और पुनर्वास के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा बच्चों के संग रोल प्ले, नृत्य खेल, ड्रामा आदि गतिविधियां की।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम : दिनाँक 15 अगस्त 2018 को संस्था में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े धूम-धाम के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि डॉ. राकेश सारस्वत व विशिष्ट अतिथि श्री राजेश बोहरा, अध्यक्ष जैन सोशल ग्रुप श्री सुभाष बड़जात्या, उपाध्यक्ष जैन सोशल ग्रुप डॉ.

विजय लक्ष्मी धामाई, उप अधीक्षक जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय, अजमेर श्री शिवदयाल कुमावत प्रदेशाध्यक्ष कुमावत समाज, श्री लोकेश, श्री हनुमान दयाल बंसल, श्रीमती रूप, श्री जैन, श्री संजय सोनी, श्रीमती क्षमा आर. कौशिक, श्री राकेश कुमार कौशिक, डॉ. लोकेश कुमावत आदि द्वारा झण्डारोहण गया किया। दिव्यांग छात्र शुभम जैन व फाल्गुन चौहान को आठवी बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए सम्मानित किया गया। जैन सोशल ग्रुप अजमेर द्वारा साउण्ड सिस्टम भेंट किया गया। बड़जात्या परिवार की और से पिलो कवर व बैडशीट भेंट की गई। संजय सोनी द्वारा अपना जन्मदिन मनाकर खुशियां बांटी व बच्चों को भोजन करवाया गया। जैन सोशल ग्रुप ने विद्यालय में वृक्षा रोपण कर वृक्ष बचाने का संदेश दिया।

रक्षा बंधन : दिनाँक 23 अगस्त 2018 को विद्यालय के बच्चों ने जिला कलेक्ट्रेट में सुश्री आरती डोगरा, जिला कलेक्टर अजमेर, श्री राजेश सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक, श्री हर्ष रत्नु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, व जिला परिषद में श्री अरूण गर्ग (सी.ई.ओ.) ओर राजस्थान लोक सेवा

आयोग अध्यक्ष श्री दीपक उत्प्रेती के रक्ष सूत्र बांधकर राखी का पर्व मनाया गया।

सुखियाँ : संजय इन्क्लूसिव स्कूल, ब्यावर

विदाई समारोह : दिनाँक 14.03.2018 को संजय इन्क्लूसिव स्कूल में अध्ययनरत कक्षा 8 के विद्यर्थियो का विदाई समारोह मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि

शिक्षाविद् श्री अर्जुन कृपलानी (पूर्व प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय, केकड़ी) थे । विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती कांता जैन (प्राचार्य वर्धमान कॉलेज, ब्यावर) श्री कौशल कुमार गर्ग, श्री दीलिप जाजू, ने शिरकत की।

रिंग द बेल : दिनांक 21.03.18 को विश्व डाउन सिड्रोम दिवस पर "रिंग द बेल" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र प्रभारी श्री रण सिंह चीता ने विकलांगता डाउन सिड्रोम पे प्रकाश डाला एवं बच्चो ने सिटी बजाकर जागरूकता का

सन्देश दिया। सी.बी.आर इंचार्ज एव अन्य अध्यापको ने कैप्टेन स्कूल, गायत्री पब्लिक स्कूल, रा. उच्च. प्रा. विद्यालय, शाहपुरा मौहल्ला, रा. उच्च. प्रा. विद्यालय नेहरु नगर में छात्रों को जागृत होने का सन्देश दिया।

गुरू पूर्णिमा : दिनांक 27.07.18 को गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, अध्यक्ष शिव साधना शिविर , एडवोकेट श्री सुनील जी कौशिक, श्री निखिल जी जैन, श्री परवीन बडोला, श्रीमती दुर्गा चान्दनी, श्रीमती राजकुमारी बडोला ने शिरकत की, विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों रोनक श्री श्री माल, गौरव खीचा, राखी प्रजापत ने केंद्र प्रभारी श्री रण सिंह चीता को शॉल ओढाकर एव श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

बाल संसद : दिनांक 02.08.18 को विद्यालय में बाल संसद का गठन किया गया। विद्यार्थियों ने मत दान कर बाल संसद के सदस्यों का चुनाव किया।

छात्रा अस्मिता नवल बाल संसद की प्रधान मंत्री चुनी गई इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में मताधिकार की समझ विकसित करना ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम : दिनांक 14.08.18 को संजय स्कूल के विद्यार्थियो ने उपखंड स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया एवं मनमोहक प्रस्तुति दी,

इस अवसर पर अतिथियों द्वारा बच्चो को पुरस्कृत किया गया।

राखी त्यौहार: दिनांक 25.08.18 को स्कूल में राखी का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अजय शर्मा, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, विशिष्ट अतिथि श्रीं दलपत राज मेवाड़ा, श्रीमति भाविका वासवानी, श्री कौशल गर्ग, श्री मल्ली सांखला सहित अन्य अतिथियों ने भाग लिया। इस अवसर पर वोकेशनल कक्षा के दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा निर्मित राखियो की स्टॉल भी लगाई गयी।

सुखियाँ : उम्मीद सेन्टर, पुष्कर

होली पर्व: दिनाँक 28 फरवरी 2018 को उम्मीद डे-केयर सेन्टर, पुष्कर पर होली पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया बच्चों ने रंगोली सजाई व एक दूसरे के गुलाल रंग लगाकर

शुभकामनाऐं दी। बच्चों न ग्रिटिंग कार्ड बनाये। कार्यक्रम के अतिथि विकास जी (व्यापारी) व सर्वेश्वर शास्त्री जी थे।

अभिभावक बैठक : दिनाँक 14 मई 2018 सेंन्टर पर अभिभावक बैठक एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों के

अभिभावकों के साथ व्यक्तिगत छात्र प्रगति पर चर्चा की गयी और वार्षिक रिपोर्ट कार्ड / प्रगति पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम के अतिथिगण श्री इपिन्द्र सिंह राठौड़, श्री सर्वेश्वर शास्त्री, रेणू टाँक, प्रतिज्ञा पाराशर, कृष्ण कुमार बाकोलिया उपस्थित थें।

सेन्टर विजिट : दिनाँक 11 जुलाई 2018 सेंटर पर डॉ. पंकज तोषनीवाल, अजमेर, डॉ. सुधीर माहेश्वरी, श्रीमति क्षमा आर. कौशिक, सचिव, मुख्य कार्यकारी श्रीमान राकेश कुमार कौशिक, निदेशक द्वारा सेन्टर के बच्चों को डॉ. पंकज तोषनीवाल के परिवार की ओर से ज्ञान सखा कार्यक्रम से जोड़ा गया।

संस्थापना दिवस : दिनाँक 20 जुलाई 2018 को उम्मीद सेन्टर पर बैंक ऑफ बड़ौदा का 111वाँ स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें श्री उमाकान्त दाधीच बैंक शाखा

प्रबन्धक श्री श्रवण सिंह राठौड़, श्री हेमन्त , श्री मुकेश गहलोत, श्री सर्वेश्वर शास्त्री आदि अतिथिगण उपस्थित थे। बच्चों को फल व मिठाई वितरण की गयी।

पुरस्कार

शैक्षणिक भ्रमण : दिनांक 23.07.2018 को संस्था के श्री सत्तार मोहम्मद को भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड अजमेर के द्वारा मनाली शैक्षणिक भ्रमण में शामिल होने का अवसर मिला समन्वयक श्री सत्तार मोहम्मद को स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिये सूक्ष्म बीमा में अजमेर जिले में श्रेष्ठ कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया।

सुखियाँ : संस्थागत विभिन्न कार्यक्रम

बाल-भिक्षावृति उन्मूलन विशेष अभियान: दिनांक 1 से 5 मार्च 2018 तक बाल-भिक्षा उन्मूलन विशेष अभियान आयोजित किया गया जिसमें चाइल्ड लाइन व मानव तस्करी

विरोधी ईकाइ ने सयुक्त कार्यवाही कर भिक्षावृति व बाल श्रम में लिप्त बालको पर रेस्क्यू कर मुक्त करवाया। विशेष अभियान के तहत अजमेर शहर में केसरगंज, चोपाटी, बारादरी, पुष्कर, रिको ऐरिया से 26 बच्चो को बालश्रम व भिक्षावृति में रेस्क्यू कार्यवाही की गई। विशेष अभियान के अन्तगर्त चाइल्ड लाइन व मानव तस्करी विरोधी ईकाई द्वारा बजरंगढ पर लोगो को भिक्षावृति व बालश्रम के बारे में अवेयरनेस कार्यक्रम किया गया। पपेट शो व हस्ताक्षर अभियान गतिविधीया की गई।

"हम सब एक है" बाल ग्रुप गतिविधि : दिनांक 9.3.2018 को चाइल्ड लाइन टीम के द्वारा हम सब एक है बाल समूह (सांसी बस्ती, भजनगंज) के बच्चो के साथ बाल

अधिकार जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया गया। चाइल्ड लाइन सिटी कोर्डिनेटर कुशाल सिंह ने बच्चो को शिक्षा,स्वास्थ,स्वछता के बारे में जानकारी दी व बच्चो को स्वछता ओर सुन्दर होकर शिक्षा से जुड़े रहने के लिये प्रेरित किया व बताया आप बच्चे रोजाना विधालय में जायेगे तो आपका भविष्य उज्जवल होगा जिससे आप अपने माता-पिता व देश की सेवा करोगे। व बच्चो को चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 की जानकारी से अवगत करवाया गया। काउन्सलर वनिता पंवार द्वारा मनोरंजनात्मक गतिविधियो के माध्यम से सभी बच्चो को एक समूह या मिलकर रहने का संदेश दिया गया। बच्चो के साथ होली का त्योहार भी मनाया गया।

स्वच्छ भारत अभियान : दिनांक 15.3.2018 को चाइल्ड लाइन, अजमेर के द्वारा स्वच्छता अभियान की गतिविधी कच्ची बस्ती,रामदेव नगर में की गई जिसमें बच्चे उनके परिजन व भूतपूर्व वार्ड पार्षद भी मोजूद थे। चाइल्ड लाइन समन्वयक नानूलाल प्रजापति द्वारा स्वच्छता पर सदेश दिया गया कि हम सभी को अपने घर, मोहल्ला,नगर को स्वच्छ बनाये रखना चाहिये ताकि वहा का वातावरण शुद्व रहे। सर ने बताया कि हमारे भारत वर्ष के प्रधानमत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को स्वच्छ बनाने के लिये कई अभियान चलाये है जिसे मानना हमारी प्राथमिकता है। भूतपूर्व वार्ड पार्षद ने

अपने आभार व्यक्त किये जिसमें उन्होने बताया कि मेने मेरी बस्ती को स्वच्छ बनाये रखने के लिये अपनी जनता के साथ कई कार्यक्रम किये है इसके लिये नगर निगम,अजमेर के द्वारा भी स्वच्छता बनाये रखने में सहयोग मिलता रहता है। इसके पश्चात टीम द्वारा मनोरंजनात्मक गतिविधीया की गई जिसमें भजन,गीत,व नृत्य कर मनोरंजन का आन्नद उठाया।

अन्तर्राष्ट्रीय बालश्रम प्रतिकार दिवस: दिनांक 12 जून 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय बालश्रम प्रतिकार दिवस के अवसर अजमेर की जनता को बाल श्रम का विरोध

करने के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम किया गया। चाइल्ड लाइन टीम के द्वारा केसरगंज के स्थानिय दुकानदारो व आने वाले जन समुदाय को कठपुतली प्रदर्शन, व सेल्फी स्टेन्ड से फोटो लेकर एवं पेम्पलेट आदि के माध्यम से बालश्रम मुक्त अजमेर के लिए जागरूकता का सन्देश दिया गया। साथ ही बालश्रम के विरोध में मेसेज अभियान भी चलाया गया। अजमेर के मुख्य मार्गो पर "मेरा व्यवसाय बालश्रम मुक्त" थीम आधारित स्टीकर लगाकर व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालको को बालश्रम नहीं कराने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों को बाल श्रम का विरोध करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दोरान बाल कल्याण समिती अजमेर के सदस्य अनिता शर्मा, मीनू अग्रवाल तथा मानव तस्करी विरोधि ईकाई के सब ईन्सपेक्टर अशोक विश्नोई हेड कान्सटेबल हिरा सिंह व गोविन्द शर्मा तथा दयानन्द बाल सदन के प्रबन्धक राजेन्द्र कुमार आर्य व अध्यक्ष प्रभू सिंह आर्य व चाइल्ड लाइन टीम से राजेन्द्र पंवार, वनिता पंवार विक्रम सिंह,प्रेमनारायण शर्मा,पवन कुमार,प्रथुमन सिंह आदि शामिल थे।

''पेड़-पौधों के लिये वरदान''

दक्ष चाचियावास बकरी खाद

- Organic
- Chemical Free
- Non Toxic
- Enriched with Neem
- Absorbs Negativity
- Environment Friendly
- Odour Free

- आर्गेनिक
- रसायन मुक्त
- विष रहित
- नीम गुणों से युक्त
- उर्वरता वर्धक
- पर्यावरण हितेषी
- गन्ध रहित

फ्री होम डिलीवरी

खरीदने के लिए सम्पर्क करें

8094515368, 9829140992

दक्ष एम्पावर एबिलिटी फाउडेशन दिव्यांगो के आजीविका संवर्धन के बहुआयामी विकल्प प्रदान कर आत्म निर्भर बनाने के लिये प्रतिबद्ध है आपका सहयोग इन्हें सम्मान से जीने में मदद करेगा।

दक्ष एम्पॉवर ऐबिलिटी फाउंडेशन, चाचियावास, अजमेर

ई-मेल : daksha.empower5@gmail.com मो. नं. : 8094515368, 9829140992 www.dakshahandicraft.com

मुद्रित सामग्री | बुक पोस्ट

प्रतिष्ठा में, _____

_____

_____

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था

ग्राम-चाचियावास, सीकर रोड, अजमेर-305023

Email : rmkm_ajm@yahoo.com, rmkm.a@rediffmail.com

Ph.# : 0145-2794481, Fax : 0145-2794482, Mob.: 9829140992

सौजन्य : Vibha

मुद्रक : प्रगति प्रिन्टर्स, पुरानी मंडी, अजमेर